Self Respect

18-06-2014

✓बागवान बाप बैठ अपने फूलों को देखते हैं क्योंकि और सब सेन्टर्स पर तो फूल और माली हैं, यहाँ तुम बागवान के पास आते हो अपनी खुशबू देने | तुम फूल हो ना |

✓देवताओं रूपी फूलों के बगीचे का बीजरूप है बाप | तुम अभी देवी-देवता बन रहे हो ना |

✓यह भी पाठशाला है, इसमें एम ऑब्जेक्ट है | फिर कहाँ भी यह एम ऑब्जेक्ट होती नहीं है | तुम्हारी एक ही एम है नर से नारायण बनने की |

✓आजकल तो गीता सब सुनाते हैं, सच्चा-सच्चा ब्राह्मण तो कोई है नहीं | तुम हो सच्चे-सच्चे ब्राह्मण | सच्चे बाप के बच्चे हो | तुम सच्ची-सच्ची कथा सुनाते हो |

✓भगवानुवाच – मैं तुमको राजाओं का राजा बनाता हूँ |

✓मीठे-मीठे बच्चे जानते हैं – हमारा बीज है वृक्षपति, जिसके आने से हम पर बृहस्पति की दशा बैठती है | अभी तुम बच्चों पर है बृहस्पति की दशा |

✓तुम हो भ्रमरियां, वह हैं कीड़ा | उन पर भूं-भूं करते रहो | बोलो, भगवानुवाच – काम महाशत्रु है, उसको जितने से विश्व का मालिक बनते हैं |

✓निश्चयबुद्धि बन कमज़ोर संकल्पों की जाल को समाप्त करने वाले सफ़लता सम्पन्न भव

✓मैं निश्चयबुद्धि विजयी हूँ, सफ़लता मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है – इस स्मृति से कमज़ोर संकल्पों को समाप्त करो |

✓तीसरा ज्वालामुखी नेत्र खुला रहे तो माया शक्तिहीन बन जायेगी |

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का यादप्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |